हरित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

काजरी स्थित मरूस्थलीय पर्यावरण एंव सूचना प्रणाली केन्द्र द्वारा दिनांक 14 सितम्बर 2019 को हरित कौशल विकास कार्यक्रम के अतंर्गत शुष्क क्षेत्र में "वृक्षारोपण तकनीकें और नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग" विषय पर एक माह अवधि का पाठ्यक्रम प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

किया गया। इस अवसर पर श्री विकास अरोड़ा, सहायक वन संरक्षक, जोधपुर मुख्य अतिथि थे। उन्होने कहा कि इस तरह के महत्वपूर्ण कार्यक्रम से वृक्षारोपण तकनीकें एंव नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग के महत्व के बारे में प्रचार एंव प्रसार होगा। उन्होनें प्रतिभागियों से जोर देकर कहा कि कार्यक्रम में ज्ञान अर्जित करें एंव संसाधनों का किस तरह उपयोग कर सकते हैं इसे बहुत ही अच्छे तरीके से समझना है।

डा. ओ.पी. यादव, निदेशक, काजरी, जोधपुर ने अपने संबोधन में सभी प्रतिभागियों को कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के हर विषय को बहुत लगन से सीखने की कोशिश करें और इस पाठ्यक्रम से प्राप्त कौशलता को अपने क्षेत्र में वृक्षारोपण तथा नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में जागरूकता लाएं। उन्होने कहा इस तरह के प्रशिक्षण इस क्षेत्र में आजीविका को बढ़ाने में मददगार साबित होंगे। कार्यक्रम में डा. जे.पी. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक एंव समन्वयक, एनविस ने हरित कौशल विकास कार्यक्रम एंव इस प्रशिक्षण के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डा. अर्चना वर्मा, वैज्ञानिक, काजरी ने किया एंव डा. सुरेन्द्र पूनिया, वरिष्ठ वैज्ञानिक, काजरी ने सभी आगंतुकों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में संस्थान के सभी विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों एंव तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया। इस पाठ्यक्रम में पश्चिमी राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिभागी एक माह तक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।